भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
08.12.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1635 का उत्तर

समुचित प्रकाश व्यवस्था की कमी

1635. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री रवि किशन:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री हिबी ईडन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे ने हाल ही में देश में रेलवे और रेलवे स्टेशनों पर कई यात्री सुविधाओं की घोषणा की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित रेलवे स्टेशनों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण यात्रियों को अंधेरे में स्टेशनों की पहचान करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है;
(घ) यदि हां, तो क्या अगले स्टेशन के बारे में रेलगाड़ियों में उद्घोषणा प्रणाली नहीं होने के कारण यात्रियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है;
(ङ) क्या सरकार का विचार उक्त समस्या के समाधान के लिए मेट्रो ट्रेनों की तर्ज पर स्क्रीनिंग बोर्ड के माध्यम से अगले स्टेशन के नाम की अग्रिम घोषणा के साथ-साथ प्रत्येक कोच में लिखित सूचना की व्यवस्था करने का है;
(च) यदि हां, तो इसके कब तक किए जाने की संभावना है; और
(छ) सरकार द्वारा देश में रेलवे स्टेशनों को हवाई अड्डों के स्तर का बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

समुचित प्रकाश व्यवस्था की कमी के संबंध में 08.12.2021 को लोक सभा में श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक, श्री रवि किशन, श्री रविन्दर कुशवाहा, श्री प्रतापराव जाधव, श्री सुब्रत पाठक, श्री बिद्युत बरन महतो, श्री सुधीर गुप्ता, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे और श्री हिबी ईडन के अतारांकित प्रश्न सं. 1635 के भाग (क) से (छ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख) : भारतीय रेल पर यात्री सुविधाओं का संवर्धन/सुधार निरंतर एवं सतत प्रक्रिया है। स्टेशन के निर्माण के समय, स्टेशन की कोटि पर आधारित मापदंडों के अनुसार न्यूनतम अनिवार्य सुविधाएं (एमईए) मुहैया कराई जाती हैं। यात्रीगणों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं तथा निधियों की उपलब्धता के आधार पर, स्टेशनों पर यात्री यातायात में वृद्धि के साथ अनुशंसित और वांछित सुविधाओं में समय समय पर संवर्धन किया जाता है। बहरहाल, रेल उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं को पूरा करने की दृष्टि से भारतीय रेल द्वारा सभी रेलवे स्टेशनों पर उन्नत सुविधाएं मुहैया कराने हेतु सभी प्रयास किए जा रहे हैं और इस संबंध में कार्यों को यात्री यातायात की संख्या और निधियों की उपलब्धता की परस्पर प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाता है।

(ग): प्लेटफॉर्म के दोनों छोर पर प्रदर्शित स्टेशन के नाम वाले बोर्डों के समुचित प्रकाश व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता हेतु भारतीय रेल के लिए संसद सदस्यों की परामर्श समिति से प्राप्त सुझावों के आधार पर जोनल रेलों को पुनः निर्देश दिए गए थे कि सभी विद्युतीकृत स्टेशनों के प्लेटफॉर्मों पर बिजली के खंभों को इस प्रकार लगाया जाए जिससे प्लेटफॉर्मों के दोनों छोर पर लगाए गए स्टेशन के नाम वाले बोर्डों की समुचित रूप से प्रकाश व्यवस्था हो जाए और रात्रि के दौरान आसानी से पढ़े जा सकें। स्टेशन के नाम वाले बोर्ड की प्रकाश व्यवस्था हेतु विशिष्ट रूप से लगाई गईं लाइटें रात्रि के दौरान जलते रहने पर भी बल दिया गया था।

(घ) से (च): इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) और कोलकाता मेट्रो में यात्री उद्घोषणा सह यात्री सूचना प्रणाली (पीएपीआईएस) पर आधारित ग्लोबल पॉजिशनिंग प्रणाली (जीपीएस) को पहले ही स्थापित किया गया। इस यात्री सूचना प्रणाली से एलईडी स्क्रीन पर विडियो डिस्प्ले के साथ-साथ स्पीकरों पर ऑडियो उद्घोषणा के माध्यम से एक ही समय पर आने वाले अगले स्टेशन के संबंध में यात्रियों को सूचित किया जाता है। इसके अलावा, नव निर्मित ईएमयू/मेमू रेकों पर इस प्रकार की तकनीक/प्रणाली पहले ही लगाई गई है। वंदे भारत, हमसफर, तेजस और उदय एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम गाड़ियों में यात्री उद्घोषणा/सूचना प्रणाली भी मुहैया कराई गई है।

S.K

(छ): इस समय, रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण/अपग्रेडेशन का कार्य, स्टेशनों पर बेहतर संवर्धित यात्री सुविधाएं मुहैया कराने की आवश्यकता को चिह्नित किए जाने पर आधारित आदर्श स्टेशन योजना के तहत शुरू किया गया है। इस योजना के तहत 1253 स्टेशनों को विकसित करने हेतु चिह्नित किया गया है। रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं जैसे स्टेशन भवन के अग्रभाग की उन्नति, विश्रामालय, प्रतीक्षा कक्ष (स्नान करने की सुविधाओं सहित), महिलाओं के लिए अलग प्रतीक्षा कक्ष, कंप्यूटर आधारित जन उद्घोषणा प्रणाली, परिसंचारी क्षेत्र की लैंडस्कैपिंग, संकेतक, भुगतान करो एवं उपयोग करो शौचालय, वाटर कूलर, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्टेशन के प्रवेश द्वार पर रैंप आदि जैसी यात्री सुविधाएं स्टेशन की संबंधित कोटि के आधार पर इस योजना के अंतर्गत चिह्नित और विकसित की जाती हैं। लिफ्टों, एस्केलेटरों, ट्रेवलेटरों आदि जैसी आधुनिक सुविधाएं भी संबंधित स्टेशन की प्राथमिकता के आधार पर स्थापित की जाती हैं।

******

S.K